

17/5/2020
प्राणवली पेय हरी वाली व वाली वली
होत हजिग वाली व वाली वली को
अक-अककर वा- वा- वा आवाज लगाने
है। वा- वा- वा आवाज लगाने के
बाद ही वाली व वाली वली होत
हजिग लियेजा वाली का वा- अक
हजिग व अक ही में खाली कि
जाता है पालो हल एक व
कि कर ही जाकर सुन सिरक व